__/__/__

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date - Class- V

Subject - Hindi Literature Page - 1

Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग -5

पाठ - 3 गुदड़ साईं

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ कक्षा पाँचवी की हिन्दी साहित्य का है। आज इस पाठ में हम जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखा पाठ गुदड़ साईं पढ़ेंगे।

बच्चो! कई बार एक साधारण-से दिखाई देने वाले व्यक्ति की अच्छाई हमें आश्चर्यचकित कर देती है। इन्सान धन और अच्छे पहनावे से ही बड़ा नहीं होता, अपितु अपने व्यवहार और ऊँचे विचारों से दूसरों के हृदय पर छाप छोड़ देता है। आज हम इस पाठ में ऐसे ही एक व्यक्ति की कहानी पढ़ेंगे, जिसका नाम है साईं।

पाठ को पढ़ने से पहले हम इसमें आए कठिन शब्दों के बारे में जान लेते हैं।

वैरागी - संन्यासी मनोविनोद - मनोरंजन

उलाहना - दोष देना तृप्ति - संतुष्टि

आदान-प्रदान - लेना - देना

आँखों से ओझल - नज़र से दूर

चिथड़े - फटे-पुराने कपड़े के टुकड़े

ठिठक गया - एक दम से रुक गया

गलबाँही - गले में बाँहें डालना

गुदड़ी के लाल - साधारण वेशभूषा में रहने वाला असाधारण गुणी।

__/__/__

Date - Class - V

Subject - Hindi Literature Page - 2

Subject Teacher - Ms. Roma Rani

"साईं ! ओ साईं !" — एक लड़के ने पुकारा। साईं ने घूमकर देखा कि एक आठ वर्ष का बालक उसे पुकार रहा था। आज कई दिन बाद उस मोहल्ले में साईं दिखाई पड़ा था। साईं वैरागी था — माया नहीं, मोह नहीं। परन्तु कुछ दिनों से उसकी आदत पड़ गई थी कि दोपहर को मोहन के घर जाता था। अपने दो-तीन गांदे सुदृढ़ यत्न से रखकर उन्हीं पर बैठ जाता और मोहन से बातें करता था। कभी-कभी मोहन उसे पिता की नज़रें बचाकर कुछ साग-रोटी लाकर दे देता था। उस समय साईं के मुख पर मित्रता के भाव दिखाई देते। सुदृढ़ साईं उस समय दस बरस के बालक के समान बन जाता था। कभी कहता था, मुझे भूख नहीं लगी है। परन्तु सराहना और उलाहना के बाद चाव से उसे खा लेता था। मोहन की दी गई रोटी-साग खाकर उसके चेहरे पर तृप्ति के भाव आ जाते थे।

एक दिन मोहन के पिता ने देख लिया। वह बहुत गुस्सा हुए। मोहन को फिटकारा कि वह इन लोगों के साथ बातें न किया करे। यह सुनकर साईं हँस पड़ा और वहाँ से चला गया।

बच्चो ! आज हम यहीं तक पाठ पढ़ेंगे। पाठ का अगला भाग आपको अगले सप्ताह भेजा जाएगा।

गृहकार्य :- बच्चो ! आप इस पाठ के पृष्ठ-20 पर आए शब्द-अर्थ अपनी उत्तर-पुस्तिका पर लिखेंगे एवं याद करेंगे।

Last page